



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 104 ]  
No. 104 ]

नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, मई 23, 1996/ज्येष्ठ 2, 1918  
NEW DELHI, THURSDAY, MAY 23, 1996/JYAISTHA 2, 1918

## वाणिज्य मंत्रालय अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 मई, 1996

**विषय :** रूस, कजाखिस्तान तथा उक्रेन से उद्भूत लो कार्बन फेरो क्रोम (एल.सी.एफ.सी.) के आयात के सम्बन्ध में पाटन-रोधी जांच-अन्तिम निष्कर्ष।

सं. 47/ए.डी.डी./94.—इसका संबंध भारत सरकार के 1995 में यथासंशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमा शुल्क टैरिफ (डम्प की गई मर्चों पर पाटन रोधी शुल्क का अधिज्ञान, आंकलन तथा संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियम, 1995 से है।

### क. प्रक्रिया

2. अधोलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया :

(1) नामोद्दिष्ट प्राधिकरण (एतद्पश्चात् जिसे प्राधिकरण कहा जाएगा) को नियमाधीन फेरो एलायज कारपोरेशन लिमिटेड से, इण्डियन फेरो एलायज एसोसिएशन के जरिए एक लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें रूस, कजाखिस्तान तथा उक्रेन से उद्भूत लो कार्बन फेरो क्रोम (एतद्पश्चात् जिसे एल सी एफ सी कहा जाएगा) के पाटन का आरोप लगाया गया।

(2) प्राधिकरण ने ऊपर नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले याचिकाकर्ता से प्राप्त पाटन आरोपों की प्राप्ति के बारे में रूस, कजाखिस्तान तथा उक्रेन के राजदूतावासों को अधिसूचना दी।

(3) प्राधिकरण ने भारत के असाधारण राजपत्र में दिनांक 6-6-1995 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जो भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित हुई जिसमें सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अनुच्छेद-1 के शीर्ष 7202.49 तथा भारतीय व्यापार वर्गीकरण के

अधीन सं. 7202.49 के अंतर्गत (सुमेलित वस्तु विवरण एवं कोडिंग प्रणाली के आधार पर) वर्गीकृत रूस, कजाखिस्तान तथा उक्रेन से उद्भूत एल सी एफ सी के आयात के संबंध में पाटन रोधी कार्रवाई शुरू करने के अपने निर्णय को अधिसूचित किया।

(4) प्राधिकरण ने जांच शुरू करने की उपर्युक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति ज्ञात निर्यातकों, आयातकों तथा शिकायतकर्ता को प्रेषित की।

(5) रूस, कजाखिस्तान तथा उक्रेन के नई दिल्ली स्थित राजदूतावासों को भी जांच शुरू करने की जानकारी दी गई। जांच पड़ताल शुरू करने की सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजते समय उनसे अनुरोध किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सुझाव दें कि वे निर्धारित समय के अंदर प्रश्नावली का जवाब दें।

(6) याचिका को एक प्रति निर्यातकों, रूस, कजाखिस्तान तथा उक्रेन के राजदूतावासों को प्रदान की गई। भारत में रूसी परिसंच के व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने रूस के विनिर्माताओं/उत्पादकों के नाम एवं पते जानने चाहे जिन्हें उनको दिनांक 14-08-1995 को भेज दिए गए।

(7) आल इंडिया इंडक्सन फर्नेसिज एसोसिएशन को भी याचिका की एक प्रति प्रदान की गई तथा ऊपर नियमों के नियम 6(5) के अनुसार जांच की संगत जानकारी देने का अवसर प्रदान किया गया।

(8) निर्यातकों को दिनांक 6-07-1995 को पुनः सूचित किया गया कि वे अधिनियम की धारा 9क(1)ग में दी गई व्याख्या के परन्तुक के अनुसार संदर्भित माल के उद्भूत देश को सुनिश्चित कर लें।

(9) प्राधिकरण ने संगत जानकारी प्रकाश में लाने के लिए निम्नलिखित को प्रश्नावली भेजी:—

### (I) निर्यातक

1. मै. नारकलायज एस.ए., लक्जमबर्ग,
2. मै. नारकलायज एल.पी., न्यूयार्क,

3. मै. सिनक्रेट बी.वी., रोटर्डम, नीदरलैंड,
4. मै. रूटमेट इंक., ऑटोरियो, कनाडा,
5. मै. ओटो वोल्फ, डसलडर्फ, जर्मनी,
6. मै. सोसायटी एनोनिमी डि मिनेरल्स, लक्जमबर्ग,
7. मै. डेरिक रफेल एण्ड कं. लिमिटेड, लन्दन,
8. मै. सुदामिन ट्रेडिंग, वाटरलू, बेल्जिकी।

## (II) आयातक

1. मै. अनीता इण्टरनेशनल, नई दिल्ली,
2. मै. ओमप्रकाश राकेश कुमार, नई दिल्ली,
3. मै. शिवा अलायज प्रा. लिमिटेड, दिल्ली,
4. मै. स्टील स्ट्रिप्स लिमिटेड, चण्डीगढ़,
5. मै. विश्वास इण्टरनेशनल, नई दिल्ली,
6. मै. लोवीयर अलायज प्रोडक्ट्स प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली,
7. मै. यूनीक अलायज प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली,
8. मै. कुमार स्टील्स, जगाधरी,
9. मै. सिंधानिया कैमिकल्स, लुधियाना,
10. मै. अंलाईड होलिडिंग्स प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली,
11. मै. उत्तर प्रदेश स्टील्स, नेपा, मुजफ्फरनगर,
12. मै. बालाजी इण्डस्ट्रियल प्रोडक्ट्स, जयपुर।

(10) निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं, रूस, कजाखिस्तान तथा उक्रेन की सरकारों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को दिनांक 23 अगस्त, 1995 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार व्यक्त करने के लिए अवसर दिया गया। उपर्युक्त सार्वजनिक सुनवाई में निम्नलिखित ने भाग लिया:

1. याचिकाकर्ता धरेलू उद्योग के प्रतिनिधि यानी मै. फेरो अलायज कारपोरेशन लिमिटेड, 2. नई दिल्ली में रूसी व्यापार कार्यालय के अधिकारी, 3. उक्रेन के विदेश आर्थिक संबंधों तथा व्यापार मंत्रालय के अधिकारी, 4. मै. नारक्लायज एस. ए., लक्जमबर्ग और मै. नारक्लायज एल.पी., न्यूयार्क निर्यातकों की ओर से मैसर्स स्टर्लिंग अलायज, बडौदा, 5. आल इंडिया इंडक्सन फर्नेसिज एसोसिएशन, दिल्ली (प्रयोक्ता उद्योग), 6. मै. ओमप्रकाश राकेश कुमार, नई दिल्ली (आयातक), 7. मै. शिवा अलायज प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली (आयातक)।

(11) सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी पक्षों को सार्वजनिक सुनवाई में किए गए निवेदन को लिखित में देने का सुझाव दिया गया ताकि जांच के अन्य पक्षकारों से उन पर टिप्पणियां प्राप्त की जा सकें तथा पक्षों द्वारा दिए लिखित निवेदन को अन्य पक्षों को उनकी टिप्पणी के लिए भेजा गया।

(12) प्राधिकरण ने जांच के लिए आवश्यक मानी जाने वाली सूचना मांगी तथा उसे सत्यापित किया एवं इस उद्देश्य की जांच मै. फेरो अलायज कारपोरेशन लिमिटेड के परिसर में की गई।

(13) उक्रेन से उद्भूत एल.सी.एफ.सी. के खिलाफ पाटन रोधी जांच को समाप्त करने के याचिकाकर्ता के अनुरोध पर प्राधिकरण ने ऊपर नियम की धारा 14 के अंतर्गत उक्रेनियन एल.सी.एफ.सी. के आयात के संबंध में आरोपित डम्पिंग होने, उसकी डिग्री तथा उसके प्रभाव की जांच पड़ताल बंद कर दी है।

(14) प्राधिकरण ने लागत छानबीन भी की तथा धरेलू उद्योग को हुई क्षति को पूरा करने के लिए आवश्यक पाटन रोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध जानकारी के सिद्धान्त तथा सामान्यतः स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की अधिकतम लागत तथा भारत में एल.सी.एफ.सी. बनाने तथा बेचने की लागत का आकलन कर लिया।

(15) 1 अप्रैल, 1994 से 31 मार्च, 1995 के बीच की अवधि की जांच की गई।

## ख. याचिकाकर्ता के विचार

3. याचिकाकर्ता ने मौखिक सुनवाई में निम्नलिखित निवेदन किया जिसे लिखित उद्धृत किया गया है:

(क) धरेलू उद्योग द्वारा आयात किए गए तथा उत्पादित एल.सी.एफ.सी. समान मद हैं।

(ख) "गैर बाजार अर्थव्यवस्था" वाले देश तथा यूरोपीय यूनियन तथा ब्राजील की सरकार द्वारा पालन किए जाने वाले प्रक्रिया के अनुसार जिम्बाब्वे को प्रतिनिधि देश के रूप में माना जाए जिसकी सृजित लागत को सामान्य मूल्य के रूप में विचारा जा सकता है।

(ग) रूसी एवं कजाखिस्तान मूल की एल.सी.एफ.सी. का, भारत में इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर डम्प किया जा रहा है जैसा कि एक सीमा शुल्क निकासी स्थल यानी आई.सी.डी., तुगलकाबाद के जरिए क्लीयर की गई वस्तुओं के लिए शिपिंग बीजक/प्रवेश-पत्रों से स्पष्ट होता है तथा आयात की कुल मात्रा पर्याप्त रूप में अधिक है।

(घ) डम्प आयात अक्षुण्ण रूप से जारी रहे तथा धरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति पहुंचाते रहे तथा याचिकाकर्ता को बिक्री मात्रा तथा बिक्री प्राप्ति दोनों में नुकसान हुआ है।

(ङ.) संगठित क्षेत्र के उत्पादकों में से एक (मै. इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन ऑफ उड़ीसा) को अंधाधुंध डम्पिंग के कारण अपना एल.सी.एफ.सी. प्रचालन बंद कर देना पड़ा।

## ग. रूसी व्यापार कार्यालय के विचार

4. भारत में रूसी व्यापार कार्यालय के प्रतिनिधियों ने मौखिक सुनवाई में प्रेक्षक के रूप में भाग लिया तथा एक भाषण दिया जिसे लिखित रूप में भी प्रस्तुत किया गया तथा निम्नलिखित मुख्य अभिमत प्रस्तुत किए:

(क) सन् 1991 से शुरू करके रूस राज्य-विनियमित अर्थव्यवस्था को बाजार में परिवर्तित करने की नीति कार्यान्वित कर रहा है तथा रूस के सभी एल.सी.एफ.सी. उत्पादक एक संयुक्त-स्टॉक कम्पनी हो गए हैं।

(ख) सामान्य मूल्य निर्धारण के लिए जिम्बाब्वे के अतिरिक्त, लगभग उसी स्तर के औद्योगिक विकास तथा उत्पादक बल के किसी अन्य देश जैसे नीदरलैंड, यू.के., जर्मनी आदि को चुनना अधिक तर्कसंगत होता।

(ग) याचिकाकर्ता ने भारत में एल.सी.एफ.सी. आयात के संबंध में आयातों की पूरी तस्वीर नहीं दी है तथा कुछ देशों पर आंशिक आंकड़े ही उपलब्ध कराए हैं।

(घ) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़े गणना के आधार के रूप में क्रोमियम संघटक (एतद् पश्चात् क्रोमियम संघटक के रूप में उल्लिखित) के बारे में कोई राय नहीं देते।

(ङ.) याचिकाकर्ता ने "पूर्ण संयोगवश" मै. मुकुन्द लिमिटेड तथा मै. महेन्द्र यूजीन स्टील कं. द्वारा (41740 रु. प्रति एम.टी. की कीमत पर

112 एम.टी. तथा 35820 रु. प्रति एम.टी. की कीमत पर 58 एम.टी.) एल.सी.एफ.सी. आयात को छोड़ दिया है।

(घ) याचिकाकर्ता का भारतीय बाजार में एल.सी.एफ.सी. आयात में एकाधिकार है।

(छ) याचिका में रूसी निर्यातकों के नाम नहीं हैं।

(ज) भारत को एल.सी.एफ.सी. का रूसी निर्यात केवल कल्युचिवस्की फेरो अलायज मिल के कुल उत्पादन का एक प्रतिशत से भी कम है।

#### (घ) निर्यातकों के विचार

6. भारत में निर्यातकों द्वारा सीधे या उनके एजेंट के जरिए प्रस्तुत प्रमुख दृष्टिकोण निम्नलिखित हैं:—

(क) याचिकाकर्ता का एकाधिकार है तथा इस उत्पाद का पिछले दो दशकों से राशन है।

(ख) याचिकाकर्ता ने डीलरों से जो कि उद्योग के अभिन्न अंग हैं कोई सम्पर्क नहीं रखा।

(ग) आयातक द्वारा उत्पादित एल.सी.एफ.सी. मेकार्बन रेंज मुख्यतः 0.03% , 0.05% और 0.10% अधिकतम है जबकि आयात मुख्यतः 0.15% कार्बन कंटेंट वाले ग्रेड के किए जाते हैं।

(घ) पाटनरोधी शुल्क उन देशों द्वारा लगाया जाता है जहां शुल्क ढांचा न्यून है तथा भारतीय सीमाशुल्क लगभग एक पाटनरोधी शुल्क के समान है।

(ङ) जांच अवधि के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय फेरो क्रोम उद्योग मंदी का सामना कर रही थी।

(च) सभी पदार्थ रूसी मूल के हैं तथा कजाखिस्तान में उत्पादन ही नहीं होता।

(छ) जांच अवधि के बाद अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कीमते बढ़ गई हैं तथा याचिकाकर्ता ने भी अपनी कीमते बढ़ा दी।

#### (ङ) आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

7. आयातकों, आल इंडिया इंडक्सन फर्नेसिज एसोसिएशन तथा अन्य हितबद्ध पक्षों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए हैं जो संक्षेप में निम्नलिखित हैं:

(क) याचिकाकर्ता का एकाधिकार है, वह व्यापारियों को न बेच कर सीधे ही उपभोक्ताओं को बेचता है।

(ख) जांच अवधि के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय फेरो क्रोम बाजार मंदी पर था। वर्तमान कीमतें बहुत अधिक हैं।

(ग) वर्ष 1994-95 में एल.सी.एफ.सी. की बहुत अल्पमात्रा का आयात किया गया था और अब भी सीमाशुल्क में कमी करने के उपरान्त, आयात नगण्य है।

(घ) यह याचिका सीमाशुल्क बढ़वाने के लिए दायर की गई है।

(ङ) याचिकाकर्ता ने भारी मुनाफा कमाता रहा है।

(च) इन देशों से सीधे आयात नहीं किए गए हैं और वे सभी आयात जिनका उद्भव इन देशों में हो सकता था, हालैण्ड और बेल्जियम से होकर किए गए हैं। इसलिए सी.आई.एस. देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रश्न नहीं उठता।

#### (च) प्राधिकरण द्वारा जांच

8. रूसी व्यापार कार्यालय निर्यातकों द्वारा सीधे तथा भारत में अपने एजेंट के जरिए आयातक, याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए

गए निवेदन की जांच की गई है तथा इन निष्कर्षों पर पहुंचने से पहले उन पर विचार किया गया है तथा उनको इन निष्कर्षों में उचित स्थान दिया गया है।

9. निर्यातकों द्वारा विनिर्धारित प्रपत्र में दिए जाने वाले सीधे प्रत्युत्तर के अभाव में, प्राधिकरण ने उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर तथा ऊपर नियम 6(8) के अनुसार निष्कर्ष निकाले हैं।

10. प्राधिकरण ने नोट किया है कि आल इंडिया फर्नेस एसोसिएशन ने याचिकाकर्ता की दलील अपने सदस्यों को दिनांक 17-8-95 के परिपत्र सं. 22 के जरिए परिचालित की। एसोसिएशन ने याचिकाकर्ता द्वारा एल.सी.एफ.सी. एवं एच.सी.एफ.सी. की उत्पादन लागत की गणना के ब्यौरे जानना चाहे। चूंकि ये आंकड़े गोपनीय थे इसलिए नहीं दिए गए। तथापि, प्राधिकरण पुष्टि करता है कि इसने याचिकाकर्ता के परिसर पर इनका सत्यापन कर लिया है तथा एल.सी.एफ.सी. की ऊपर का क्रियाविधियों में यथा वर्णित, घरेलू उद्योग के लिए बनाने की लागत तथा विक्री एवं अधिकतम उत्पादन लागत का आकलन कर लिया है।

#### (छ) समान अनुच्छेद

11. प्राधिकरण नोट करता है कि रूस तथा कजाखिस्तान से उद्भूत निर्यातित एल.सी.एफ.सी. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जा रहे एल.सी.एफ.सी. के अनुरूप है तथा दोनों नियम 2(घ) के अनुसार समान वस्तु है।

#### (ज) विचाराधीन उत्पाद

12. लो कार्बन फेरो क्रोम (एल.सी.एफ.सी.) एक फेरो अलॉय है जिसकी, सिलिकन, कार्बन, सल्फर, फास्फोरस तथा अल्युमिनियम के बहुत कठोर विनिर्देशन के साथ स्टेनलेस स्टील उत्पादन में एक इनपुट के रूप में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। एल.सी.एफ.सी. 0.03% से 0.20% तक तथा सी.आर. कंटेंट 65% से 70% तक के कार्बन संघटक का प्रयोग किया जा रहा है। एल.सी.एफ.सी. भारतीय सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क शीर्ष 7202.49 तथा भारतीय व्यापार वर्गीकरण (सुमेसित पण्य किस्म तथा फूट पद्धति पर आधारित) के अन्तर्गत 7202.49 में वर्गीकृत है।

#### 1. घरेलू स्थित

यह याचिका मैसर्स फेरो अलायल कार्पोरेशन लिमिटेड हिन्दुस्तान टाइम्स हाऊस, 8वीं मंजिल 19-20 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 जिनका पंजीकृत कार्यालय श्रीराम भवन, तुमसर (महाराष्ट्र) में तथा फैक्ट्री श्रीराम नगर, जिला विजयानगरम, आन्ध्र प्रदेश में है की ओर से इण्डियन फेरो अलायज एसोसिएशन बम्बई, के जरिए दायर की गई है।

उड़ीसा सरकार के उपक्रम मैसर्स इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कार्पोरेशन ऑफ उड़ीसा ने अब एल.सी.एफ.सी. का उत्पादन बंद कर दिया है। याचिकाकर्ता का भारत में एल.सी.एफ.सी. का अधिकांश उत्पादन है इसलिए ऊपर के नियमों के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की हैसियत को पूरा करता है।

#### (अ) सामान्य मूल्य

14. किसी भी निर्यातक ने न तो निर्धारित प्रपत्र में ही सूचना दी है। न ही उत्पाद के घरेलू मूल्य के बारे में सूचना प्रकट की है। यद्यपि कुछ निर्यातकों ने भारत को एल.सी.एफ.सी. का निर्यात करने की पुष्टि की है तथापि सामान्य मूल्य के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है। इस बात को

ध्यान में रखते हुए कि कुछ निर्यातकों ने इस आशय की पुष्टि की है कि सामान को दूसरे वाहन पर मात्र लदवाया है, प्राधिकारी ने धारा 3ए(1)(सी) के परन्तुक के अनुसार उद्भव के देश में इसके मूल्य के सन्दर्भ में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया।

15. याचिकाकर्ता ने रूस और कजाकिस्तान में एल.सी.एफ.सी. के घरेलू मूल्य के ब्यौरे यह दलील देते हुए प्रदान नहीं किए हैं कि सम्बद्ध सूचना उपलब्ध नहीं है। याचिकाकर्ता ने सुझाव दिया है कि उत्पादन की लागत का निर्धारण करने के लिए जिम्बाब्वे को प्रतिनिधि देश माना जाए। तथापि, इसने जिम्बाब्वे में उत्पादन की लागत का विस्तृत विवरण यह तर्क देते हुए प्रस्तुत नहीं किया है कि जिम्बाब्वे की कम्पनी मैसर्स जिम्बाब्वे अलायज लिमिटेड, जिम्बाब्वे ने ब्यौरे देने से इन्कार कर दिया है, तथा जिम्बाब्वे में लागू बिजली की दरों के आधार पर उत्पादन लागत तय की है।

16. जांच के दौरान, प्राधिकारी ने मैसर्स जिम्बाब्वे अलायज लिमिटेड जिम्बाब्वे को सीधे ही तथा नई दिल्ली स्थित उनके दूतावास के जरिए भी अपनी उत्पादन लागत का विवरण प्रदान करने के लिए लिखा था। कम्पनी ने, सी.आई.एस. देशों के मामले में धिन्तित होते हुए, अपनी लागत सूचना प्रकट करने से इन्कार कर दिया।

17. रूस के साथ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में सलूक किए जाने तथा मौखिक सुनवाई में सिर्फ पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने का विरोध करते हुए रूस के व्यापार कार्यालय ने सामान्य मूल्य के बारे में भी कोई सूचना नहीं दी है।

18. प्राधिकरण ने इन परिस्थितियों में, इस प्रारम्भिक निर्धारण के उद्देश्य से उक्त नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी तथा भारत में मिली जानकारी के आधार पर जिम्बाब्वे के लिए निर्धारित उत्पादन लागत के आधार पर रूस और कजाकिस्तान के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया।

#### ट. निर्यात मूल्य

19. प्राधिकरण इसे नोट करते हैं कि आयातकों द्वारा सीमाशुल्क निकासी के प्रयोजन से बताए गए आयात विवरण जिसे डी.जी.सी.आई.एस., कलकत्ता या अन्य एजेंसियों (जैसे मैटल्स एंड मिनरल रिव्यू) द्वारा संकलित किए गए विवरण में न तो निर्यातक-वार सौदे के ब्यौरे दिए गए हैं और न ही सी.आर. अन्तर्वस्तु के ब्यौरे दर्शाए गए हैं। इस प्रकार निर्यातक-वार निर्यात मूल्य निर्धारण के लिए इस पर विश्वास नहीं किया जा सकता। प्राधिकरण ने जिन निर्यातकों को इस आशय का निवेदन किया था उनमें से किसी ने भी निर्धारित प्रपत्र में सम्बद्ध सूचना उपलब्ध नहीं कराई, तथा जिन आयातकों ने प्रत्युत्तर में प्राधिकरण को जो ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं, वे निर्यात मूल्य निर्धारण के उद्देश्य से अपर्याप्त हैं।

20. याचिकाकर्ता ने आई.सी.डी., तुगलकाबाद नामक सीमाशुल्क पत्तन पर निर्गत आयात के बारे में कुछ बीजकों तथा प्रवेश-पत्रों की छाया प्रतियां प्रस्तुत की हैं यद्यपि सभी बीजकों के समरूप प्रवेश पत्र प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।

21. मैसर्स नोर्का अलायज एस.ए., लक्जमबर्ग ने नोर्का अलायज एस.ए., लक्जमबर्ग तथा नोरकाल्वाएज एल.पी. यू.एस.ए. द्वारा किए गए लदानों का संयुक्त विवरण दिया है यद्यपि यह निर्धारित प्रपत्र में नहीं है। उसको याचिकाकर्ता तथा कुछ आयातकों द्वारा दी गई सूचना के साथ मिला दिया गया है। निर्यातक द्वारा दिए गए ब्यौरे में सी.आर. कंटेंट का विवरण

नहीं दिया गया है इसलिए उसका इस्तेमाल कारखाना बाढ़ा निर्यात मूल्य का पता लगाने के लिए नहीं किया जा सकता। इसलिए प्राधिकरण ने इन दो निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत बीजकों की प्रतियों के आधार पर निर्यातकों के बारे में लागत बीमा बीमा भाड़ा सहित निर्यात मूल्य निकाला है, जैसा कि याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत किया है।

22. मैसर्स ओटो वोल्फ एच.जी.एम.बी.एच. ने भारत को 300 एम.टी.एल.सी.एफ.सी. निर्यात किए जाने कि पुष्टि की है जिसे उन्होंने दूसरी जर्मन कंपनी से खरीदा था। तथापि, निर्यातक ने कम्पनी द्वारा किए गए निर्यात का विवरण नहीं दिया है तथा इस प्रकार इसका आंकलन व्यक्तिगत रूप से नहीं किया गया है।

23. एक निर्यातक, डेरेक राफेल एण्ड कं. ने रूस/कजाकिस्तान से भारत को नहीं के बराबर ही या कुछ भी नहीं एल.सी.एफ.सी. का लदान करने के बारे में बताया है। इस प्रकार प्राधिकरण ने याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्य के आधार पर लागत बीमा भाड़ा सहित निर्यात मूल्य निकाला है।

24. चूंकि किसी अन्य निर्यातक ने प्राधिकरण के निवेदन का उत्तर नहीं दिया है, इसलिए प्राधिकरण ने जांच अवधि, अर्थात् 1 अप्रैल 1994 से 31 मार्च 1995 के दौरान इन निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत बीजकों की प्रतियों, तथा याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए आधार पर निर्यात मूल्य तैयार किया है।

25. प्राधिकरण ने 66.1% सी.आर. कंटेंट वाले एल.सी.एफ.सी. के संबंध में प्रत्येक निर्यातक हेतु भारत औसत निर्यात मूल्य निकाला है जिसका विवरण तुलना से संबंधित अनुच्छेद में दिया गया है।

26. उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी के आधार पर पोत पर्यन्त निःशुल्क निर्यात मूल्य निकालने के लिए लागत बीमा भाड़ा सहित निर्यात मूल्य को बीमा तथा समुद्र भाड़े में समायोजित किया गया है। प्राधिकरण इसे नोट करती है कि इनमें से कोई भी निर्यात सीधे रूस तथा कजाकिस्तान को नहीं किया गया है तथा निर्यात तीसरे देशों के माध्यम से किए गए हैं। इसलिए उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी के आधार पर पोत पर्यन्त निःशुल्क निर्यात मूल्य में कमीशन और अन्य प्रासंगिक खर्चों के लिए 5% समायोजित किया गया है।

#### ठ. तुलना

27. सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य के बीच उचित तुलना करने के उद्देश्य से तथा धारा 9(ए)(2), अधिनियम की धारा 9(ए)(1)(ग) की व्याख्या के परन्तुक तथा ऊपर की नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार, निर्यातकों से निर्धारित प्रपत्र तथा तरीके से कोई सीधा उत्तर नहीं मिलने पर, प्राधिकरण ने याचिकाकर्ता, आयातकों, निर्यातकों द्वारा दी गई सूचना को ध्यान में रखा। चूंकि सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में जिम्बाब्वे के बारे में उपलब्ध सर्वोत्तम जानकारी की आधार पर किया गया है। जैसा कि सामान्य मूल्य से संबंधित ऊपर के पैराग्राफों में दिया गया है, और समझा जाता है कि एल.सी.एफ.सी. में 66.1% की औसत सी.आर. कंटेंट है। उचित और एक समान तुलना के लिए निर्यात मूल्य को उसी सी.आर. कंटेंट में समायोजित किया गया है। इन समायोजित सौधवार निर्यातों का जिनके संबंध में साक्ष्य उपलब्ध थे, उपयोग प्रत्येक निर्यातक के लिए भारत औसत निर्यात मूल्य पर निकालने के लिए किया गया। अलग-अलग निर्यातक के लिए भारत औसत निर्यात मूल्य की तुलना सामान्य मूल्य के साथ की गई है। प्राधिकरण ने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा डम्पिंग मार्जिन निम्नानुसार पाया है :—



निर्यातक देश	सामान्य मूल्य (यूएसडी/एमटी)	निर्यात कीमत (यूएसडी/एमटी)	डम्पिंग मार्जिन (यूएसडी/एमटी)
<b>I. उद्भव का देश—रूस</b>			
1. डेरेंक	1359	941.16	
2. हंडेल	1359	749.90	
नोर्कालायज-लम्बमबार्ग	1359	807.11	551.89
नोर्कालायज-न्युयार्क	1359	770.17	588.83
सोसाइट एनोनिम डेस मिन.	1359	913.58	445.42
<b>ख. उद्भव देश—कजाकिस्तान</b>			536.51
सोसाइट एनोनिम डेस मिन.	1359	773.37	585.63

29. प्राधिकरण नोट करता है कि जांच अवधि के दौरान सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत सिर्फ डम्पिंग का निर्णय करने के लिए प्रासंगिक है तथा भारत को वर्तमान निर्यात कीमत या अंतर्राष्ट्रीय कीमत इस उद्देश्य के लिए प्रासंगिक नहीं है।

### ड. क्षति

30. ऊपर के नियम 11 के अंतर्गत, जब किसी क्षति का निष्कर्ष प्राप्त होता है, तब ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। “..... इसमें डम्प किए गए आयातों की मात्रा, वैसे ही वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू निर्माताओं पर ऐसे आयातों के तदुरान्त पड़ने वाले प्रभाव सहित सभी सम्बद्ध तथ्यों पर विचार किया जाता है.....” मूल्यों पर डम्प आयातों के प्रभाव पर विचार करते वक्त इसकी जांच करना आवश्यक समझा गया है कि भारत में ऐसे ही उत्पादों की कीमतों की तुलना में डम्प किए गए आयातों से क्या महत्वपूर्ण रूप से कीमतों को पर्याप्त कम किया गया है, या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्य प्रकार से मूल्यों में महत्वपूर्ण स्तर तक में ही लाना है या मूल्य वृद्धि रोकना है, जोकि अन्य प्रकार से अत्यधिक हो गई होती।

### डम्प आयातों का संचयन

नियम 9(2) के अनुबंध-2 के अंतर्गत प्राधिकरण ने इस बात की जांच की कि क्या रूस और कजाकिस्तान से होने वाले आयातों के प्रभाव का आकलन संघर्षी रूप में किया जा सकता है। यह पाया गया कि इन देशों से आयातित उत्पाद आपस में मुकाबले के थे और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित वैसे ही उत्पाद के मुकाबले के थे, कि विचाराधीन अवधि में प्रत्येक देश से आयातित मात्रा पर्याप्त थी और कीमतों का रूख एक समान था इसलिए यह माना गया कि इन देशों से होने वाले आयातों का सर्वेक्षण संघर्षी रूप में किया जाए।

31. भारत में घरेलू उद्योग पर डम्प किए गए आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकरण ने उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, स्टॉक, लाभप्रदता तथा निवल बिक्री प्राप्ति जैसे और संकेतकों पर विचार किया जिनका प्रभाव उद्योग की स्थिति पर पड़ता है।

### (क) डम्प किए गए आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

32. रूस और कजाकिस्तान से एल.सी.एफ.सी. का कुल आयात 1992-93 में 63 एम.टी. से बढ़कर 1993-94 में 1264 एम.टी. तथा 1994-95 में 1598 एम.टी. हो गया, जिसके परिणामस्वरूप सम्पूर्ण रूप में मात्रा में तीव्र वृद्धि हुई।

33. रूस और कजाकिस्तान के बाजार हिस्से में, भारत में उत्पादन और खपत के मामले में पिछली अवधियों की तुलना में 1993-94 और 1994-95 के दौरान वृद्धि हुई जो कि इसकी मात्रा में वृद्धि और उसके साथ घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट के परिणामस्वरूप हुई।

### (ख) उत्पादन रूख और क्षमता उपयोग

34. जांच अवधि के दौरान, पिछली अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग के एल.सी.एफ.सी. के उत्पादन में 16% की गिरावट आई। अप्रैल, सितम्बर और अक्टूबर 1994 के दौरान उत्पादक काफी कम रहा। पहले से कम उत्पादन के उपरान्त सकल क्षमता उपयोग भी 1991-92 में 71.36% से घटकर 1994-95 में 49.63% हो गया।

### (ग) सम्पूर्ण मात्रा में बिक्री

35. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 24% की गिरावट आई। अक्टूबर और नवम्बर के दौरान बिक्री औसत मासिक बिक्री से कम रही।

### (घ) बिक्री मूल्य का रूख

36. एल.सी.एफ.सी. की बिक्री से घरेलू उद्योग की औसत प्राप्ति (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को छोड़कर) 54009 पी.एम.टी. (1993-94) से बढ़कर 1994-95 में 56737 पी.एम.टी. हो गई। तथापि, वह उत्पादन लागत से काफी नीचे है।

### (ङ) स्टॉक रूख

37. घरेलू उद्योग के पास तैयार उत्पाद का स्टॉक जांच अवधि के दौरान बढ़कर 1170 एम.टी. हो गया जोकि पिछले वर्ष के दौरान 881 एम.टी. था, यह उसी अवधि के दौरान एल.सी.एफ.सी. के उत्पादन में गिरावट के बावजूद करीब 33% की वृद्धि दर्शाता है।

### (च) लाभप्रदता का रूख

38. याचिकाकर्ता बहु-उत्पाद कार्यकलापों में संलग्न है तथा इसकी सकल लाभप्रदता स्थिति प्रतिनिधित्व करने वाली नहीं हो सकती। तथापि, प्राधिकरण द्वारा किए गए विस्तृत लागत अध्ययन के आधार पर यह पाया गया है कि उत्पादन लागत से काफी कम कीमत पर एल.सी.एफ.सी. की बिक्री होने से याचिकाकर्ता कम्पनी को निवल हानि हो रही है।

### (छ) क्षति का निष्कर्ष

39. प्राधिकरण ने यह देखा है कि :

- (1) जांच अवधि के दौरान पिछली अवधि की तुलना में रूस और कजाकिस्तान से सम्पूर्ण रूप में आयातों में वृद्धि हुई है।
- (2) पिछली अवधि की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारत के पूरे आयात में रूस और कजाकिस्तान के हिस्से में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई।
- (3) रूस और कजाकिस्तान से निर्यातों के परिणामस्वरूप कीमत में कटौती हुई तथा घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को अलाभप्रद स्तर पर रखने के लिए बाध्य हुआ तथा अपने उत्पादन की पूरी कीमत वापस लेने में इसे रूकावट हुई।
- (4) उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्राएं, औसत बिक्री प्राप्ति, लाभ/हानि इत्यादि जैसे घरेलू उद्योग से जुड़े विभिन्न संकेतक सामूहिक रूप से यह सिद्ध करते हैं कि घरेलू उद्योग को पर्याप्त हानि हुई है।

40. इस प्रकार प्राधिकरण इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि घरेलू उद्योग को पर्याप्त क्षति हुई है।

**( ङ ) कारण संबंधी कड़ी**

41. यह पता लगाने के लिए कि क्या घरेलू उद्योग को डम्प किए गए आयातों के कारण पर्याप्त हानि हुई, प्राधिकरण ने निम्नांकित तथ्यों को ध्यान में रखा :

- (1) रूस और कजाकिस्तान से उत्पाद के आयात सम्पूर्ण रूप में तथा भारत में उत्पाद की खपत के रूप में बड़े कुल आयातों में रूस और कजाकिस्तान का हिस्सा भी बढ़ा। इसके सीधे परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग ने अपना बाजार हिस्सा खोया है तथा क्षमता उपयोग में कमी के बाजजूद जांच की अवधि के दौरान सामान-सूची में वृद्धि हुई है।
- (2) रूस और कजाकिस्तान से हुए आयात से घरेलू उद्योग की कीमतों पर ऐसा दबाव पड़ा कि अपने उत्पादन की पूरी कीमत वापस लेने तथा भारत में एल.सी.एफ.सी. की बिक्री से वाजिब लाभ प्राप्ति से घरेलू उद्योग वंचित रह गया।

**( ण ) भारतीय उद्योग का हित**

42. सामान्य रूप से पाटनरोधी शुल्कों (एंटी डम्पिंग ड्यूटीज) का उद्देश्य उस पाटन को समाप्त करना है जो घरेलू उद्योग को हानि पहुंचा रहा है तथा खुली और न्यायोचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः बहाल करना है जो कि देश के सामान्य हित में है।

43. प्राधिकारी ने इस बात की पुष्टि की कि उसने घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक एंटी-डम्पिंग ड्यूटी की सीमा सुनिश्चित करने हेतु क्षमता के उपयोग के प्राप्त करने योग्य स्तर पर उत्पादन की इष्टतम लागत पर विचार करके घरेलू उद्योग के लिए भारत में एल.सी.एफ.सी. की उचित बिक्री कीमत आंकी है।

44. याचिकाकर्ता को पूरी क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक एंटी-डम्पिंग ड्यूटी की राशि की सिफारिश करते समय डम्पिंग के अलावा अन्य कारणों से याचिकाकर्ता को होने वाली क्षति पर प्राधिकारी ने विचार नहीं किया था।

45. प्राधिकारी ने नोट किया था कि उद्योग अथवा उद्योग की किसी कंपनी द्वारा अपनाई जाने वाली विपणन की प्रणाली उद्योग अथवा कंपनी, जैसी भी स्थिति है, के स्व:निर्णय पर निर्भर होगी जो कानूनी आवश्यकताओं के ढांचे के भीतर होगी और उद्योग अथवा कंपनी अपने उत्पाद के विपणन के लिए किसी विशेष प्रणाली को अपनाने या डीलरों/व्यापारियों की नियुक्ति के लिए बाध्य नहीं होगी।

46. प्राधिकारी ने नोट किया कि याचिकाकर्ता को उसके पास उपलब्ध उपयुक्त सूचना को प्रस्तुत करने के लिए विवश किया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने न तो मैसर्स मुकुंद लिमि. अथवा मैसर्स महेन्द्र यूजीन (जिसका याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत 1992-93 के आयात संबंधी ब्यौरों में उल्लेख है) द्वारा किए आयात संबंधी तथ्य से जान-बूझकर इंकार किया है और न ही याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उसने आयात के संबंध में सम्पूर्ण ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं। याचिकाकर्ता ने स्वयं यह कहा है कि "आई.सी.डी., तुगलकाबाद में क्लीयर किए गए कुछ आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं ..... जो किसी भी तरह से सम्पूर्ण नहीं है .....". तथापि, प्राधिकारी ने नोट किया कि मैसर्स नोरकालीएस एस.ए. को छोड़कर किसी भी निर्यातक ने उनके द्वारा किए गए निर्यातों के बारे में कोई सूचना नहीं दी है।

47. प्राधिकारी ने नोट किया कि धारा 9क(1) ग की व्याख्या के परन्तुक के अनुसरण में कुछ निर्यातकों की स्वीकृति को ध्यान में रखते हुए, रूस के निर्यातकों की पहचान मौजूदा जांच के लिए आवश्यक नहीं है।

48. प्राधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है कि आयात निर्धारित सीमा से अधिक हैं।

49. प्राधिकारी ने नोट किया कि एल.सी.एफ.सी. के आयातों में कार्बन की मात्रा 0.02% से 0.15% के बीच है कि केवल 0.15% तक हैं।

50. प्राधिकारी ने इस बात की पुष्टि की कि उसने जांच की अवधि के दौरान लागू सीमा शुल्क के स्तर को ध्यान में रखा है।

51. प्राधिकारी ने नोट किया कि जहां यह सच है कि जांच की अवधि के दौरान अंतर्राष्ट्रीय बाजार मंदा था केवल जांच की अवधि में सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर ही विचार किया गया है इसलिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मंदी अथवा तेजी से डम्पिंग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

52. प्रतिपाटन शुल्क का प्रयोजन जैसा कि पैरा ..... में विस्तार से दिया गया है, अनुपित प्रथा को दूर करना है कि सीमाशुल्क ड्यूटी की लेखी में परिवर्तन करना।

53. प्राधिकारी ने नोट किया कि हाई कार्बन फैरो क्रोम (एच.सी.एफ.सी.) तथा लो कार्बन फैरो क्रोम (एल.सी.एफ.सी.) की कीमतों की तुलना मौजूदा जांच के लिए अनावश्यक है केवल इस बात को छोड़कर कि घरेलू उद्योग द्वारा एच.सी.एफ.सी. का उपयोग सिलीकोन क्रोम के उत्पादन के लिए किया जा रहा है (जिसका उपयोग बदले में एल.सी.एफ.सी. के उत्पादन के लिए किया जा रहा है) जिसका प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के लिए उचित बिक्री कीमत तय करते समय ध्यान रखा जा रहा है।

**पी. निष्कर्ष**

54. तदनुसार प्राधिकारी इन निष्कर्षों पर पहुंचा कि :—

- (i) रूस और कजाकिस्तान मूल के एल.सी.एफ.सी. का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से भी कम मूल्य पर हुआ है,
- (ii) भारतीय घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पहुंची है,
- (iii) क्षति रूस तथा कजाकिस्तान मूल के आयातों के कारण हुई।

55. याचिकाकर्ता के लिखित अनुरोध पर प्राधिकारी ने रूल 14 सुपरा के अंतर्गत उक्रेन मूल के एल.सी.एफ.सी. के कथित पाटन के विरुद्ध यह जांच समाप्त कर दी थी जैसा कि उपर्युक्त पैरा में दिया गया है।

**क्यू. ड्यूटी**

56. प्राधिकारी ने रूस तथा कजाकिस्तान मूल के एल.सी.एफ.सी. के आयात पर अनंतिम एंटी-डम्पिंग ड्यूटी लगाना आवश्यक समझा ताकि घरेलू उद्योग की वास्तविक क्षति को दूर किया जा सके। अन्तिम निर्धारण लम्बित है।

57. प्राधिकारी ने विचार किया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम ड्यूटी इस क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी। इस प्रयोजन के लिए जांच की अवधि के लिए एल.सी.एफ.सी. के निर्यातकवार भारित औसत लैंडिड कीमत की तुलना क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर विचार करने के बाद घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एल.सी.एफ.सी. की बिक्री कीमत से की गई। जहां भी ऐसा अंतर डम्पिंग मार्जिन से कम था, क्षति के अनुसार बहुत कम ड्यूटी की सिफारिश की जाती है। तदनुसार, प्राधिकारी एतद्द्वारा

सीमाशुल्क कोड 720249 के अंतर्गत आने वाले तथा रूस और कजाकिस्तान मूल के लो कार्बन फ़ैरो क्रोम के आयातों पर अनंतिम एंटी-डम्पिंग शुल्क के लगाने की सिफारिश करता है। अनंतिम एंटी-डम्पिंग ड्यूटी की दर (निकटतम 100 रु. में) नीचे निर्दिष्ट की गई है :—

निर्यातक का नाम	शुल्क की राशि (रु./मी.टन)
<b>I. मूल देश—रूस</b>	
1. डेरिक राफेल एंड क. लि., लंदन	10,900
2. नोरकालोएस एस. ए. लक्सम्बर्ग	17,400
3. नोरकालोएस एल.पी. न्यूयार्क	18,600
4. सोसाइटे एनोनीमे डेस मिनरल्स	12,300
5. सिनक्रेट बी.वी., रोट्टरडम	16,900
6. उपर्युक्त से भिन्न निर्यातक	18,600
<b>II. मूल देश—कजाकिस्तान</b>	
सोसाइटे एनोनीमे डेस मिनरल्स लक्सम्बर्ग	18,500
अन्य निर्यातक	18,500

जो निर्यातक, आयातक सम्बद्ध पाए गए हैं, उन्हें अलग से लिखा जा रहा है जो इसके प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर अपने विचार रख सकेंगे तथा मौखिक रूप से सुनवाई के लिए आवेदन कर सकेंगे। अन्य कोई इच्छुक पार्टी भी इस अधिसूचना की तारीख से 40 दिन के भीतर प्राधिकारी के पास अपने विचार भेज सकती है।

टी.एस. विजयराघवन, नामित प्राधिकारी तथा अपर सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE

### NOTIFICATION

New Delhi, the 21st May, 1996

**Subject :** Anti-dumping investigation concerning import of Low Carbon Ferro Chrome (LCFC) originating from Russia, Kazakhstan, and Ukraine—Provisional Findings...

**No. 47/ADD/94.**—The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof.

### A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed :

(i) The Designated Authority (hereinafter referred to Authority), under the above Rules, received a written petition from Ferro Alloys Corporation Limited, through Indian Ferro Alloys Association alleging dumping of Low Carbon Ferro Chrome (hereinafter referred to LCFC) originating from Russia, Kazakhstan and Ukraine.

(ii) The Authority notified the embassies of Russia, Kazakhstan and Ukraine about the receipt of dumping allegations from the petitioner before proceeding to initiate an investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra.

(iii) The Authority issued a Public Notice dated 6-6-1995 published in the Gazette of India, Extraordinary, notifying its decision of initiating anti dumping proceedings concerning imports of LCFC classified under heading 7202.49 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 7202.49.00 under Indian trade classification (Based on Harmonised Commodity Description and Coding System) originating from Russia, Kazakhstan and Ukraine.

(iv) the Authority forwarded copy of the said public notice of initiation to the known exporters, importers and the complainant.

(v) The embassies of Russia, Kazakhstan and Ukraine in New Delhi were also informed about the initiation of investigation. While forwarding a copy of public notice of initiation of the investigations, they were requested to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time.

(vi) A copy of the petition was provided to the exporters, embassies of Russia, Kazakhstan and Ukraine. The Trade Representation of Russia Federation in India desired names and addresses of the Russian manufacturers/producers, which were also supplied to them on 14-08-1995.

(vii) All India Induction Furnaces Association was also provided a copy of the petition and was provided opportunity to furnish information relevant to the investigation in accordance with rule 6(5) of the Rules supra.

(viii) The exporters were addressed on 6-07-1995 again, to ascertain the country of origin of the subject goods in accordance with the proviso to the explanation to Section 9A(1)c of the Act.

(ix) the Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the following :—

### (I) Exporters

1. M/s. Norcalloys SA, Luxemburg,
2. M/s. Norcalloys L.P., New York,
3. M/s. Syncret B.V., Rotterdam, The Netherlands,
4. M/s. Rutmet Inc., Ontario, Canada,
5. M/s. Otto Wolff, Dusseldorf, Germany,
6. M/s. Societe Anonyme Des Minerals, Luxemburg,
7. M/s. Derik Raphael & Co. Ltd., London,
8. M/s. Sudamin Trading, Waterloo, Belgique.

### (II) Importers

1. M/s. Anita International, New Delhi,
2. M/s. Omprakash Rakesh Kumar, New Delhi,
3. M/s. Shiva Alloys Pvt. Ltd., Delhi,
4. M/s. Steel Strips Ltd., Chandigarh,
5. M/s. Chivas International, New Delhi,
6. M/s. Lowwear Alloys Products Pvt. Ltd., New Delhi,

7. M/s. Unique Alloys Pvt. Ltd., New Delhi,
8. M/s. Kumar Steels, Jagadhari,
9. M/s. Singhania Chemicals, Ludhiana,
10. M/s. Allied Holdings Pvt. Ltd., New Delhi,
11. M/s. Uttar Pradesh Steels, Napa, Muzaffarnagar,
12. M/s. Balaji Industrial Products, Jaipur.

(x) An opportunity was also given to exporters, importers, petitioners, Govts. of Russia, Kazakhstan and Ukraine and other interested parties to express their views in a public hearing held on 23rd August, 1995. The said public hearing was attended by :

1. The representatives of the petitioner domestic industry viz. M/s. Ferro Alloys Corporation Limited.
2. Officials of Russian Trade Office in New Delhi.
3. Officials of Ministry of Foreign Economic Relations and Trade of Ukraine.
4. M/s. Sterling Alloys, Baroda on behalf of the exporter M/s. Norcalloys SA, Luxemburg and M/s. Norcalloys L.P., New York.
5. All India Induction Furnaces Association, Delhi (user industry).
6. M/s. Om Prakash Rakesh Kumar, New Delhi, (importer).
7. M/s. Shiva Alloys Pvt. Ltd., New Delhi (importer).

(xi) All the parties who attended the said public hearing were advised to present the submissions made in the public hearing in writing for obtaining counter comments from the other party(ies) to the investigation and the written submissions made by the parties were made available to the other parties for their counter comments.

(xii) The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation, and to this end investigations were carried out at the premises of M/s. Ferro Alloys Corporation Limited.

(xiii) A request of the petitioner to terminate the anti-dumping investigations against LCFC of Ukraine origin was received by the Authority under Rule 14 supra to terminate the investigation as to the existence, degree and effect of alleged dumping in relation to imports of LCFC of Ukrainian origin.

(xiv) The authority also conducted cost investigation and worked out optimum Cost of Production and Cost to make and Sell LCF C in India on the basis of Generally Accepted accounting Principles and principle of the best available information to ascertain in quantum of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry.

(xv) The investigation covered the period from 1st April, 1994 to 31st March, 1995.

### B. PETITIONER'S VIEWS

3. The petitioner made the following submissions in the oral hearing which have been reproduced in writing :

(A) LCFC being imported and being produced by the domestic industry are "like articles".

(B) "Non Market Economy" countries and as per procedure followed by European Union and Government of Brazil, Zimbabwe may be considered as surrogate country whose constructed cost may be considered for Normal Value.

(C) LCFC of Russian and Kazakhstan origin is being dumped in India at a price below its Normal Value as is evidenced from the Shipping Invoices/Bills of Entries for the goods cleared through one Customs Point itself, i.e., ICD. Tugalkhabad, and the total quantum of imports would be substantially higher.

(D) The dumped imports are continuing unabated and are causing material injury to the domestic industry, and the petitioner has suffered both in terms of the sales quantum and sales realisation.

(E) One of the producers in the organised sector (M/s. Industrial Development Corporation of Orissa Ltd.) has been forced to close its LCFC operations due to indiscriminate dumping.

### C. VIEWS OF RUSSIAN TRADE OFFICE

4. Representatives of the Russian Trade Office in India attended the oral hearing as observers only and made a speech, reproduced in writing also, and made the following main observations :

(a) Starting from 1991 Russia has been implementing a policy of transforming the State-regulated economy into the market one, and all Russian LCFC producers have become joint-stock companies,

(b) It would have been more reasonable to choose some other country with approximately the same level of industrial development and productive force, e.g. Netherlands, U.K., Germany instead of Zimbabwe for the purpose of Normal Value determination,

(c) Complete picture with regard to imports of LCFC import in India has not furnished by the petitioner, and only partial data is given on certain countries,

(d) The data submitted by the petitioner gives no idea about Chromium content (referred to as Cr. content hereinafter) taken as the basis for calculations,

(e) the petitioner has by "pure coincidence" omitted the LCFC imports by M/s. Mukund Ltd. and M/s. Mahendra Ugine Steel Co. (112 MT at the price of Rs. 41740 per MT and 58 MT at the price of Rs. 35820 per MT).

(f) The petitioner holds a monopoly in production of LCFC in the Indian market,

(g) the petition does not contain the names of the Russian exporters,

(h) The Russian export of LCFC to India is less than one per cent of the total production volume of only one Klyuchevsky ferro alloys Mill.

### D. EXPORTER'S VIEWS

6. The major views expressed by the exporters directly or through their agent in India are as follows :



(a) The petitioner enjoys monopoly and has rationed this product since the last two decades.

(b) The petitioner has not entertained dealers, who are an integral part of the industry.

(c) LCFC being produced by the petitioner mainly has Carbon range 0.03%, 0.05%, and 0.10% max., whereas the imports are mainly of the grade with 0.15 Carbon content.

(d) Anti dumping duty is levied by those countries where duty structure is low, and the Indian customs duty is almost like an anti dumping duty.

(e) The international Ferro Chrome industry was facing slump during the investigation period.

(f) All material are of Russian origin and there is no production in Kazakhstan.

(g) The prices have increased in the international market after the investigation period and even the petitioner has increased its prices.

#### **E. VIEWS OF IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

7. Importers, All India Induction Furnaces Association and other interested parties have expressed their views, which are briefly as follows :

(a) The petitioner is a monopoly, and sells directly to consumers without entertaining the traders.

(b) The international Ferro chrome market was in slump during investigation period. The current prices are much higher.

(c) Very little quantity of LCFC was imported in 1994-95, and even now after reduction of custom duty the imports are negligible.

(d) The petition has been filed with the aim of getting the custom duty increased.

(e) The petitioner has been making huge profits in the past.

(f) No direct import from these countries has been made, and all such imports whose origin could be these Countries are routed through Holland and Belgium, and therefore the question of imposing anti dumping duty against CIS countries does not arise.

#### **F. EXAMINATION BY AUTHORITY**

8. The above submissions made by the Russian Trade Office, exporters directly as also through their agent in India, by the importers, petitioner and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and have been dealt with at appropriate places in these findings.

9. In the absence of any direct response from the exporters in the prescribed format, the Authority has made the findings on the basis of the information available to it and as per Rule 6(8) supra.

10. The Authority notes that All India Furnace Association circulated the plea of the petitioner to its members

vide its circular No. 22 dated 17-8-1995. The association desired details of the calculations made by the petitioner about its cost of production of LCFC and HCFC. The same being confidential, were not supplied. The Authority, however, confirms that it has conducted a verification at the premises of the petitioner and has worked out optimum cost of production and cost to make and sell LCFC for the domestic industry, as detailed in procedures supra.

#### **G. LIKE ARTICLE**

11. The Authority notes that LCFC being exported originating from Russia and Kazakhstan has characteristics closely resembling with the LCFC being produced by the domestic industry, and the two are like article in accordance with Rule 2(d).

#### **H. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

12. Low Carbon Ferro Chrome (LCFC) is a Ferro Alloy required as vital input for Stainless Steel production with very stringent specifications of Silicon, Carbon, Sulphur, Phosphorus and Aluminium. LCF of Carbon content ranging from 0.03% to 0.20% and Cr. content ranging from 65% to 70% is being used. LCFC is classified under custom heading 7202.49 of Schedule I of Indian Customs Tariff Act, 1975 and under 7202.49.00 under Indian Trade Classification (Based on Harmonised Commodity Description and Coding System).

#### **I. DOMESTIC STATUS**

13. The petition has been filed through Indian Ferro Alloys Association, Bombay for and on behalf of M/s. Ferro Alloys Corporation Limited, Hindustan Times House, 8th Floor, 18-20 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001 having its Registered Office at Shreeram Bhawan, Tumsar (Maharashtra) and works at Shreeramnagar, Distt. Vizianagaram, Andhra Pradesh. Another producer, M/s. Industrial Development Corporation of Orissa, a Government of Orissa undertaking, has since stopped the production of LCFC. The petitioner accounts for a majority of production of LCFC in India and hence satisfies the domestic industry status in accordance with rule 2(b) of the Rules supra.

#### **J. NORMAL VALUE**

14. None of the exporters has furnished the information in the prescribed proforma nor divulged the information about domestic price of the product. Though some of the exporters confirmed having exported LCFC to India, no information about normal value has been provided. In view of the confirmation by some of the exporters having merely transhipped the material, the Authority in accordance with the proviso to Section 9A(1)(c) determined the normal value with reference to its price in the country of origin.

15. The petitioner has not provided domestic prices of LCFC in Russia and Kazakhstan, pleading non-availability of the relevant information. The petitioner has suggested treating Zimbabwe as surrogate country for determining cost of production. It has, however, not furnished the details of the cost of production in Zimbabwe, pleading refusal by the

Zimbabwe company, M/s. Zimbabwe Alloys Limited and has constructed cost of production based on power rates prevailing in Zimbabwe.

16. The Authority, during the course of investigation, wrote to M/s. Zimbabwe Alloys Limited. Zimbabwe directly as also through their embassy in New Delhi, requesting details of its cost of production. The company has, whilst sharing concerns over the CIS countries, refused to divulge its cost information.

17. Russian Trade Office, whilst objecting treatment of Russia as Non-Market Economy and attending Oral Hearing as observers only, has also not supplied any information with regard to the Normal Value.

18. The Authority has, under the circumstances, for the purpose of this preliminary determination, worked out Normal Value for Russia and Kazakhstan on the basis of cost of production constructed for Zimbabwe on the basis of the best information available in accordance with rule 6(8) of the Rules supra and information in India.

#### K. EXPORT PRICE

19. The Authority notes that the import details reported by the importers for the purpose of custom clearances, as compiled by DGCIS, Calcutta or other agencies (such as Metals and Mineral Review) neither provides exporter-wise transaction nor indicates the Chromium contents and as such cannot be relied upon for the purpose of exporter-wise export price determination. None of the exporter to whom request was made by the Authority has made the relevant information available in the prescribed proforma and the details furnished by the importers, who have responded to the Authority, are sufficient for the purpose of export price determination.

20. The petitioner has furnished photocopies of some invoices and bills of entry for imports cleared at one of the customs ports namely ICD Tuglakhabad, though matching bill of entries for all the invoices are not submitted.

21. M/s. Norcalloys S.A., Luxemburg has furnished combined details of shipments made by Norcalloys S.A., Luxemburg and Norcalloys L.P., U.S.A., though not in the prescribed format. The same has been correlated with the information furnished by the petitioner as also some of the importers. The details furnished by the exporter does not contain details of Cr content and therefore cannot be used for working out ex-works export price. The Authority has therefore, worked out CIF export price in respect of exporters on the basis of copies of the invoices raised by these two exporters, as furnished by the petitioner.

22. M/s. Otto Wolff HGmbH has confirmed having exported 300 MT LCFC to India, which was purchased by them from another German company. The exporter has, however, not furnished details of the exports made by it and, therefore, has not been assessed individually.

23. Derek Raphael & Co. Ltd. an exporter has stated having shipped little or no LCFC from Russia/Kazakhstan to India. The Authority has therefore worked out CIF export

price for the exporter on the basis of evidence made available by the petitioner.

24. Since no other exporter has responded to the Authority's request, the Authority has worked out export price on the basis of the copies of invoices raised during the period of investigation viz. 1st April, 1994 to 31st March, 1995 by these exporters, and furnished by the petitioner.

25. The Authority has arrived at weighted average export price for each exporter for LCFC having average Chromium content 66.1% as detailed in the paragraph relating to comparison.

26. The CIF export price has been adjusted for insurance, and ocean freight for working out FOB export price on the basis of the best available information. The Authority notes that none of the exports are directly from Russia and Kazakhstan and exports have been made through third countries. The FOB export price has, therefore, been adjusted for 5% towards commission and other incidental expenses of the exporters on the basis of best available information.

#### L. COMPARISON

27. For the purpose of a fair comparison between the normal value and export price and in accordance with Section 9(A)(2), proviso to the explanation to Section 9(A)(c) of the Act and rule 6(8) of the Rules supra, the authority took into account the information supplied by the petitioner, the importers, the exporters, and the best information available with it in the absence of any direct response in the prescribed form and manner from the exporters. Since normal value has been constructed on the basis of best available information for Zimbabwe in India as brought out in above paragraphs relating to Normal Value and considered to have the average Cr contents of 66.1% in LCFC, for fair and uniform comparison, the export price has been adjusted for the same Cr contents. These adjusted transaction-wise exports for which evidence was available have been used to arrive at the weighted average export price in respect of each exporter. Weighted average export price has been compared with Normal Value for individual exporter. The Authority has found Normal Value, Export Price, and Dumping Margin as follows:

Name of the Exporter and Place	Normal Value (US \$/MT)	Export Price (US \$/MT)	Dumping Margin (US \$/MT)
<b>I. Country of origin—Russia</b>			
1. Derek Raphael & Co. Ltd., London	1359	941.16	417.84
2. Norcalloys SA, Luxemburg	1359	807.11	551.89
3. Norcalloys LP, New York	1359	770.17	588.83
4. Societe Anonyme Des Minerals, Luxemburg	1359	913.58	445.42
5. SYNCRET BV, Rotterdam	1359	822.49	536.51
<b>II. Country of Origin—Kazakhstan</b>			
Societe Anonyme Des Minerals Luxemburg	1359	773.37	585.63

29. The Authority notes that the Normal Value and Export Price during the investigation period only are relevant for deciding dumping, and the current Export Price to India of international prices are not relevant for the purpose.

### M. INJURY

30. Under Rule 11 supra, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "..... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles .....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

### Cumulation of Dumped Imports

The Authority examined under Annexure-II to Rule 9(2) as to whether the effect of imports originating from Russia and Kazakhstan can be cumulatively assessed. It was found that the products imported from each of these countries competed with each other and with the like product produced by the Indian industry, that the volumes imported from each country during the period under consideration were significant and the price trends were similar and, therefore, it was considered that imports from these countries should be analysed cumulatively.

31. For the examination of the effect of dumped imports on the domestic industry in India, the Authority considered such further indices having a bearing on the state of industry as production, capacity utilisation, sales, stock, profitability and net sales realisation.

### (a) Volume and Market Share of Dumped Imports

32. Total imports of LCFC from Russia and Kazakhstan increased from 63 MT in 1992-93 to 1264 MT in 1993-94, and 1598 MT in 1994-95, resulting in sharp increase in volume in absolute terms.

33. Market share of Russia and Kazakhstan increased during 1993-94 and 1994-95 in relation to production and consumption in India, as a result of increase in its volume, and decline in the sales of the domestic industry.

### (b) Production Trend and Capacity Utilisation

34. Production of LCFC of the domestic industry declined by 16% in the investigation period as compared to the previous period. Production during April, September and October 1994 remained very low. The overall capacity utilisation consequent to lower production has also declined from 71.36% in 1991-92 to 49.63% in 1994-95.

### (c) Sales in absolute quantity

35. Sales of the domestic industry declined by 24% in the investigation period as compared to the previous period.

Sales during October and November 1994 have remained lower than the average monthly sales.

### (d) Selling Price Trend

36. Average realisation from sales of LCFC (exclusive of central excise duty) to the domestic industry increased from Rs. 54009 PMT (1993-94) to Rs. 56737 PMT in 1994-95. The same is, however, far below the cost of production.

### (e) Stock Trend

37. Stock of the finished product with the domestic industry increased to 1170 MT during investigation period as compared to 881 MT during previous year, showing an increase of about 33% in spite of decrease in production of LCFC during the corresponding period.

### (f) Profitability Trend

38. The petitioner is engaged in multi-product activities and its overall profitability position may not be representative. However, on the basis of detailed cost study conducted by the Authority, it is found that the petitioner company is suffering net losses from the sale of LCFC at prices much below its cost of production.

### (g) Conclusion on Injury

39. The Authority find that : (i) the imports have increased in absolute terms from Russia, and Kazakhstan during the investigation period as compared to the previous period.

(ii) The share of Russia and Kazakhstan in the total imports in India increased significantly during the investigation period as compared to the previous period.

(iii) The exports from Russia and Kazakhstan resulted in price depression and forced the domestic industry to keep its prices to unremunerative levels and prevented it from recovering its full cost of production.

(iv) The various indicators relating to domestic industry such as Production, Capacity Utilisation, Sales Quantities, Average Sales Realisations, Profit/Loss, etc. collectively established that the domestic industry has suffered material injury.

40. The Authority is, thus, led to the conclusion that the domestic industry has suffered material injury.

### N. CASUAL LINK

41. In determining whether material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts : (i) the imports of the product from Russia and Kazakhstan increased in absolute terms and relative to the consumption of the product in India. The share of Russia and Kazakhstan in the total imports also increased. As a direct consequence, the domestic industry has lost its market share and inventory increased during the investigation period in spite of reduction in capacity utilisation.

(ii) The imports from Russia, Kazakhstan suppressed the prices of the domestic industry to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost



of production and earn a reasonable profit from the sales of LCFC in India.

#### O. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST

42. The purpose of anti dumping duties is in general to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to reestablish the situation of open and fair competition on the Indian market which is in the general interest of the country.

43. The authority confirms that it has worked out reasonable selling price of LCFC in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at attainable level of Capacity Utilisation, to ascertain the extent of Anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry.

44. Injury being caused to the petitioner from factors other than dumping have not been considered by the Authority while recommending the amount of Anti Dumping duty necessary to remove the full extent of injury to the petitioner.

45. The Authority notes that the system of marketing to be adopted by an industry of a company in the industry is at the discretion of the industry of the company, as the case may be, within the framework of legal requirements, and the industry or the company is not under obligation to follow a particular system for marketing its produce or appoint dealers/traders.

46. The Authority notes that petitioner can be asked to furnish the information as is reasonably available with it. Neither the petitioner has deliberately ignored the fact of imports made by M/s. Mukund Ltd. or M/s. Mahendra Ugine (the same have been mentioned in the import details for 1992-93 furnished by the petitioner), nor the petitioner has claimed having furnished exhaustive details of the imports. The petitioner itself has expressly stated having furnished details of ".....some of the imports cleared at ICD, Tuglakabad,..... which may in no way be exhaustive.....". The Authority, however, notes that except M/s. Norcalloys S.A. none of the exporters have furnished information about the exports made by them.

47. The authority notes that the identity of the Russian exporters is not relevant for the present investigations in view of the acceptance of some of the exporters in accordance with proviso to the explanation to Section 9A(1)c.

48. The Authority confirms that the imports are more than de minimus limits.

49. The Authority notes that imports are of LCFC having Carbon content ranging between 0.02% to 0.15% and not of 0.15% only.

50. The Authority confirms that it has taken into consideration the level of customs duties applicable during the investigation period.

51. The Authority notes that whilst it could be true that the international market was in slump during the investigation period, normal value and export price during the investigation period only have been considered and therefore the factum of dumping is not affected by a slump or boom in the international market.

52. The purpose of anti dumping duty is, as detailed in para 42 to remove the unfair practice and not to alter the levy of Custom Duty.

53. The Authority notes that the comparison of the prices of High Carbon Ferro Chrome (HCFC) and LCFC is irrelevant for the purpose of the present investigations, except that HCFC is being used for the production of Silicon Chrome (which in turn is being used for the production of LCFC) by the domestic industry, which has been taken care by the Authority while arriving at fair selling price for the domestic industry.

#### P. FINDINGS

54. The Authority, accordingly, has come to the conclusion that :

(i) LCFC originating from Russia and Kazakhstan has been exported to India below its normal value,

(ii) the Indian domestic industry has suffered material injury.

(iii) the injury has been caused by the imports originating from Russia and Kazakhstan.

55. On the written request of the petitioner, the Authority under Rule 14 supra terminated the investigation against allegation of dumping of Ukrainian origin LCFC as brought out in para 2(xiii) above.

#### Q. DUTY

56. The authority considers it necessary to impose a provisional anti dumping duty on imports of LCFC originating from Russia and Kazakhstan in order to remove the material injury to the domestic industry, pending final determination.

57. The Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be enough to remove the injury. For this purpose, the exporter-wise weighted average landed price of LCFC was compared with selling price of LCFC produced by the domestic industry considered reasonable after taking into account an optimum level of capacity utilisation, for the period of investigation. Wherever such difference was less than the dumping margin, lesser duty to the extent of injury is recommended. Accordingly, the Authority, hereby recommends imposition of provisional anti dumping duty on imports of Low carbon Ferro Chrome falling under custom code 720249 and originating from Russia and Kazakhstan from the date of notification issued in this regard by Ministry of Finance. The rate of provisional anti dumping duty (rounded to nearest hundred rupees) are specified below :—



EXPORTER'S NAME	AMOUNT OF DUTY (Rs./MT)
<b>I. Country of Origin—Russia</b>	
1. Derek Raphael & Co. Ltd., London	10,900
2. Norcalloys SA, Luxemburg	17,400
3. Norcalloys LP, New York	18,600
4. Societe Anonyme Des Minerals, Luxemburg	12,300
5. SYNCRET BV, Rotterdam	16,900
Exporters other than above	18,600
<b>II. Country of Origin—Kazakhstan</b>	
1. Societe Anonyme Des Minerals Luxemburg	18,500
2. Exporters other than above	18,500

The exporters, importers known to be concerned are being addressed separately, who may make known their views within 40 days from the date of this publication, and apply to be orally heard. Any other interested party may also make known its views to the Authority within 40 days of the date of this notification.

T. S. VIJAYARAGHAWAN, Designated Authority  
and  
Addl. Secy.

1273 GI/96-3

